गोदावरी नदी

हाल ही में अधिकारियों ने **तेलंगाना** के **भद्राचलम्** में [गोदावरी नदी]() में बाढ़ का स्तर 50 फीट पार करने और नदी में 13 लाख क्यूसेक के निशान को पार करने के साथ दूसरी चेतावनी जारी की।

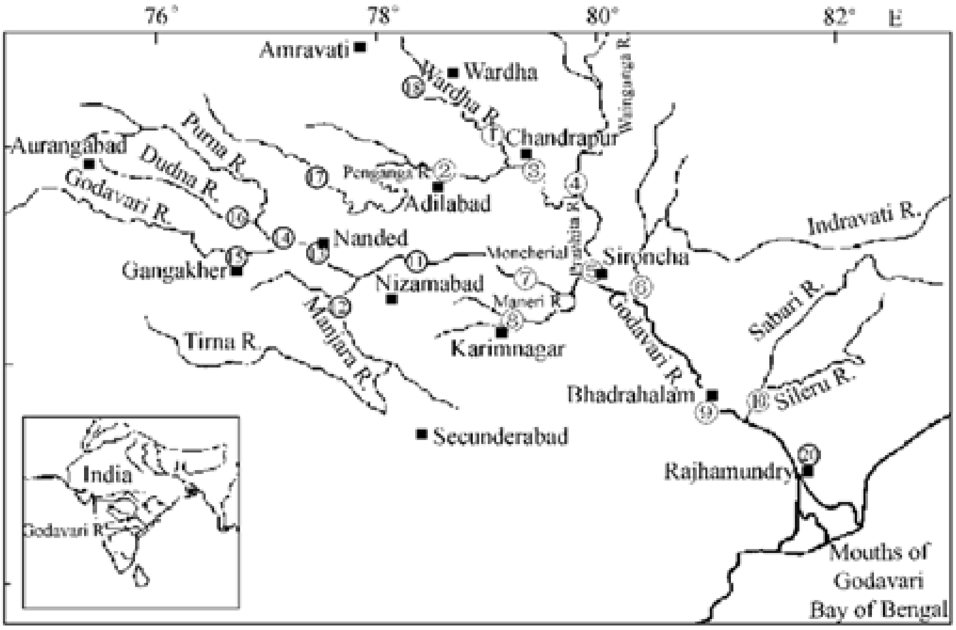

//

रिवर ओवरफ्लो:

- ऊपरी गोदावरी बेसिन के [जलग्रहण क्षेत्रों]() में भारी बारिश के कारण।
- मेदिगड्डा बैराज़ से जल का निर्वहन, सभी जलाशयों में आने वाले प्रवाह के साथ घट रहा है।
- कर्नाटक में कृष्णा बेसिन, अलमट्टी, नारायणपुर और तुंगभद्रा में परियोजनाओं से जल का निर्वहन/डिस्चार्ज से तेलंगाना तथा आंध्र प्रदेश में परियोजनाओं में अधिकांश जल की प्राप्ति होती है।
  - इसके अलावा श्रीशैलम् जलाशय (हाइड्रोइलेक्ट्रिक पावर प्लांट) में 3.60 लाख क्यूसेक से अधिक जल की प्राप्ति रही थी और डिस्चार्ज/निर्वहन 3.17 लाख क्यूसेक से अधिक था।

गोदावरी नदी से संबंधित प्रमुख तथ्य:

- **परिचय:**
  - गोदावरी **सबसे बड़ी प्रायद्वीपीय नदी प्रणाली** है। इसे **दक्षिण गंगा** भी कहते हैं।
  - इसका बेसिन उत्तर में **सतमाला** पहाड़ियों, दक्षिण में **अजंता** श्रेणी और **महादेव** पहाड़ियों, पूर्व में पूर्वी घाट और पश्चिम में पश्चिमी घाट से घिरा हुआ है।
- **उद्गम:**
  - गोदावरी नदी **महाराष्ट्र में नासिक के पास त्र्यंबकेश्वर** से निकलती है और बंगाल की खाड़ी में गिरने से पहले लगभग**1465 किमी. की दूरी** तय करती है।
- **अपवाह तंत्र:**
  - गोदावरी बेसिन महाराष्ट्र, तेलंगाना, आंध्रप्रदेश, छत्तीसगढ़ और ओडिशा राज्यों के अलावा मध्य प्रदेश, कर्नाटक तथा पुदुचेरी के मध्य

क्षेत्र के छोटे हिस्सों में फैला हुआ है।

- **सहायक नदियाँ:**
  - प्रवरा, पूर्णा, मंजरा, पेनगंगा, वर्धा, वैनगंगा, प्राणहिता (वेनगंगा, पेनगंगा, वर्धा का संयुक्त प्रवाह), इंद्रावती, मनेर और सबरी।
    - प्रवर, मंजरा और मनेर **दाहिने तट की सहायक नदियाँ हैं।**
    - पूर्णा, प्राणहिता, इंद्रावती और सबरी महत्वपूर्ण **बाएँ किनारे की सहायक नदियाँ हैं।**
- **सांस्कृतिक महत्त्व:**
  - नासिक में गोदावरी नदी के तट पर भी **कुंभ मेला** लगता है।
    - कुंभ उज्जैन में शिप्रा नदी, हरिद्वार में गंगा और प्रयाग में गंगा, यमुना और पौराणिक सरस्वती नदी का संगम पर लगता है।
- **शहरी केंद्र:**
  - नागपुर, औरंगाबाद, नासिक, राजमुन्द्री।
- **उद्योग:**
  - **नासिक और औरंगाबाद में बड़ी संख्या में खासकर, ऑटोमोबाइल उद्योग हैं।**
  - बेसिन में उद्योग ज़्यादातर राईस मिल, कपास कताई और बुनाई, चीनी और तेल निष्कर्षण जैसे कृषि उत्पादों पर आधारित होते हैं।
  - बेसिन में सीमेंट और कुछ छोटे इंजीनियरिंग उद्योग भी मौजूद हैं।
- गोदावरी पर महत्त्वपूर्ण परियोजनाएँ:
  - पोलावरम् सिंचाई परियोजना।
  - कालेश्वरम।
  - सदरमत अनिकट
  - इंचमपल्ली परियोजना
  - श्रीराम सागर परियोजना (SRSP):

स्रोत: द हिंदू

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/godavari-river-3